छत्रपति संभाजी नगर में सिविल सोसायटी के लोगों एवं संगठनों से भेंट कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

महान श्री छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति श्री संभाजी महाराज की पुण्यभूमि पर आज आप सबके बीच आकर मुझे अति प्रसन्नता हो रही है। जो सम्मान और सत्कार आपने दिया है, उससे अभिभूत हूँ।

छत्रपति संभाजी नगर की ये धरती अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए देश भर में जानी जाती है। अजंता और ऐलोरा की गुफ़ाएं, कैलाश मंदिर भारत ही नहीं बल्कि विश्व की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत हैं।

इतिहास में हम पढ़ते हैं कि इस नगर पर कई बार हमले किए गए, लूट-पाट हुई, इसकी विरासत को नष्ट करने की कोशिश की गई; लेकिन आज भी यह शहर अपनी समृद्ध धरोहर के साथ खड़ा है। यह इस नगर और यहाँ के लोगों की विशेषता है।

प्राकृतिक रूप से तो यह नगर अनुपम है ही, यहाँ के परिश्रमी और प्रतिबद्ध लोगों ने इस नगर को आर्थिक तौर पर भी समृद्ध बनाया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन हमें स्वाभिमान और साहस की प्रेरणा देता है। हमारे इन राष्ट्र नायकों का जीवन हमें मातृभूमि से प्रेम का संदेश देता है। इनका जीवन हमें बताता है कि हमारे विचार और कर्म अपने देश और समाज के कल्याण के लिए समर्पित होने चाहिए।

हमारे इन महापुरुषों से हमने सीखा है कि अन्याय का सदा विरोध करना चाहिए, उसके सामने झुकना नहीं चाहिए। तथा स्वाभिमान के साथ, अपना दायित्व निभाते हुए जीवन जीना चाहिए।

अपने देश और मातृभूमि के लिए यह दायित्व भावना आज हर एक नागरिक में होनी चाहिए। यह दायित्व भावना ही किसी भी देश और समाज को आगे बढ़ाती है। यह कर्तव्य भावना ही समाज के सभी जनों का कल्याण करती है।

छत्रपति संभाजी नगर को महाराष्ट्र की पर्यटन राजधानी भी कहा जाता है। यहां पर सिर्फ राज्य या देश से ही लोग घूमने के लिए नहीं आते हैं, बल्कि विदेशों से भी पर्यटको को यह शहर अपनी ओर आकर्षित करता है।

यहाँ की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विविधता दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करती है। समृद्ध व्यापार और पर्यटन के कारण यह शहर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

छत्रपति संभाजी नगर खेती और किसानी के साथ ही अपने उद्योगपतियों, उत्पादन और व्यवसायियों के लिए भी जाना जाता है। यहाँ के लोग देश को आगे लेकर जाने का विज़न रखते हैं।

भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश हो चुका है। कई साल पहले जब चीन में यह स्थिति आई थी, तब चीन के लिए वह निराशा थी, क्योंकि वहाँ युवा जनसंख्या इतनी अधिक नहीं थी। अधिक जनसंख्या होने से संसाधनों पर भार पड़ता है, यह हम सब जानते हैं।

लेकिन इसी के साथ हमारे लिए सकारात्मक यह है कि हमारी 65 प्रतिशत जनसंख्या युवा हैं। इसीलिए दुनिया भर की रिपोर्ट्स बताती है कि अगला दशक और यह 21वीं सदी भारत की सदी होगी। आने वाले समय में ऐसी संभावना बनेगी जब भारत ना सिर्फ एशिया की जीडीपी में, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था में (ग्लोबल जीडीपी) सबसे अधिक योगदान देगा। भारत बदलती दुनिया के केंद्र में रहने वाला है।

इसके लिए जरूरी है कि हम अपने छोटे और मध्यम उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन देते रहें। भारत सरकार की एमएसएमई नीति हमारे छोटे कारोबारियों को आगे बढ़ाती है। हमारे घरेलू बाजार को प्रोत्साहन देती है। हम इस स्थिति को समझकर स्वरोजगार पर ध्यान दें।

इस कार्यक्रम में आए युवाओं से कहूँगा कि महाराष्ट्र की धरती परिश्रम की धरती है, नए विचारों और प्रतिभा की धरती है। आज इस बदलते युग में आपके सामने अवसर हैं, अनेक संभावनाएं हैं। आज डिजिटलाइजेशन और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का दौर है। अपनी प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ें।

जैसा कि माननीय प्रधान मंत्री जी देश के युवाओं से कहते हैं कि अपने आप को “स्किल-री स्किल और अप स्किल” करते रहें। नई स्किल सीखते रहें, अपने आप को अपडेट करें और बड़ा करने की सोच रखें। निश्चित ही सफलता मिलेगी।

प्रिय साथियों, अभी पिछले वर्ष ही हमारे देश ने अपनी आजादी के 75 स्वर्णिम वर्ष पूरे किए हैं। ये 75 वर्ष भारत के लिए गौरवशाली वर्ष रहे हैं।

और हमारा सपना है कि आने वाले जो 25 वर्ष है, जब भारत 2047 में अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा; उन 25 वर्षों में हमें अपने देश के लिए और अधिक ऊर्जा, और अधिक उत्साह के साथ जुटना होगा। ये इसलिए भी खास है कि अब से पहले भारत कभी इतने दीर्घकाल के विज़न को लेकर आगे नहीं बढ़ा है। आज हम दुनिया की पाँचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है, दुनिया को निर्यात करने के मामले में आगे बढ़ रहे हैं। हम दुनिया के सबसे विकसित और विकासशील देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता कर रहे हैं, और ना सिर्फ हम अध्यक्षता कर रहे हैं, बल्कि हम दुनिया को नई दिशा भी दे रहे हैं। हम वन अर्थ – वन फैमिली – वन फ्यूचर का संदेश पूरी दुनिया को दे रहे हैं।

ऐसे समय में देश के एक एक नागरिक का सहयोग, एक एक संगठन का समर्थन देश को नई ऊर्जा देता है, नई ऊंचाइयों पर पहुँचाता है।

मैं आशा करता हूँ कि जिस तरह से संभाजी नगर के नागरिकों और यहाँ के नागरिक संगठनों ने देश को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है, उसी तरह से उससे भी अधिक ऊर्जा के साथ आप नवभारत के निर्माण करेंगे।

आप इस देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। 25 वर्ष बाद जब भारत अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, उस समय हमारा भारत दुनिया का शिखर राष्ट्र होगा और उस उपलब्धि में आप सभी लोगों की प्रमुख भूमिका होगी।

इसी विश्वास के साथ आप सभी को अनेक शुभकामनाएं।